Date
09/05/2020

Pedagogy of Physical Science
Pedagogy of Mathematics
Pedagogy of Biological Science

B.Ed. Ist year
Period- IVth

Topic- मूल्यांकन व मापन

मूल्यांकन का क्षेत्र =

मूल्यांकन का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। मूल्यांकन का सम्बन्ध केवल विद्यार्थी की बौद्धिक उपलब्धि से न होकर उसके सम्पूर्ण व्यक्तित्व से होता है।

मूल्यांकन के क्षेत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी के व्यक्तित्व के निम्न पक्ष प्रमुख रूप से आते है-

1 => ज्ञान, 2 => बोध या अवबोध

3 => सूचना, 4 => कुशलता

5 => प्रवृत्तियां, अभिवृत्तियां एवं मूल्य, 6 => योग्यताएं

7 => बुद्धि 8 => रुचियां

9 => विद्यार्थियों की त्रुटियां, 10 => शारीरिक स्वास्थ्य

मापन =>

मनोविज्ञान मानव व्यवहार का विज्ञान है। मानव व्यवहार द्वारा व्यक्तिगत भिन्नता की जानकारी प्राप्त होती है। व्यक्तिगत भिन्नता का सही आकलन मापन के द्वारा होता है। मापन की समीक्षा हमें अतीत के सम्बन्ध में जानकारी देता है जिससे वर्तमान को जानने मे सहायता

Scanned with CamScanner

मिलती है और गणित की समस्याओं के निवारण में मदद मिलती है।

परिभाषा⇒

1⇒ एस. एस. स्टीवेन्स के अनुसार "मापन किन्हीं निश्चित स्वीकृत नियमों के अनुसार वस्तुओं को अंक प्रदान करने की प्रक्रिया है।"

2⇒ जे. सी. ननले के अनुसार "वस्तुओं के लिये संख्या देने के नियमों को मापन कहते हैं, जिसके द्वारा वस्तुओं की विशेषताओं का परिणाम निर्धारित होता है।"

मापन की प्रक्रिया में तीन बातें निहित हैं⇒

1⇒ व्यक्तियों, वस्तुओं या स्थानों के किसी एक समूह का होना।

2⇒ अंकों, अक्षरों या शब्दों के किसी एक समूह का होना।

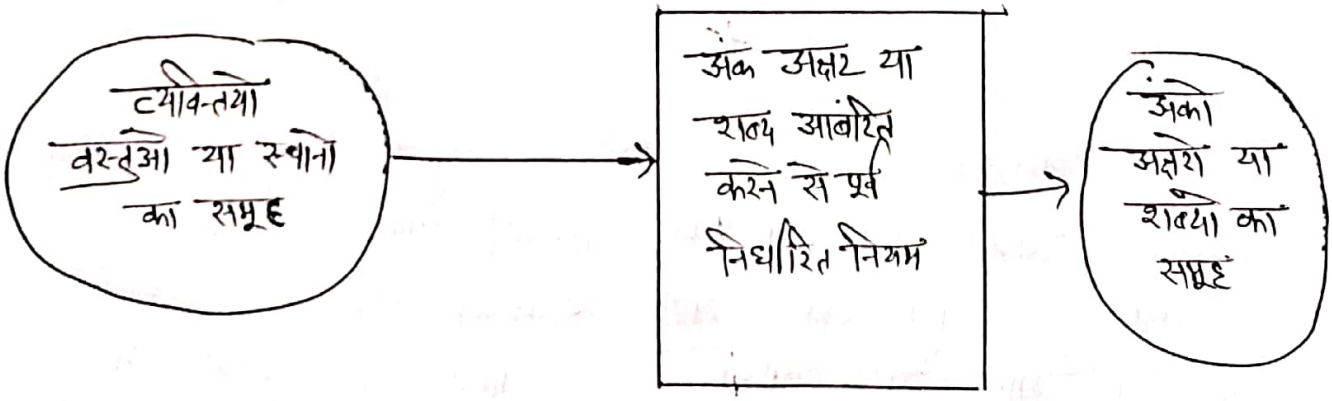

3⇒ अंक, अक्षर या शब्द प्रदान करने के लिये पूर्व निर्धारित नियमों का होना।

मापन की प्रक्रिया

Continue

9/5/2020